

13 ist wohl किञ्चिदुच्यते: an Etwas zupfend zu lesen.

— घ्रव *abreissen, ausreissen*: घ्रवलुञ्च्य जटामेकां जुहवामौ MBh. 3, 10760. fg. MĀR. P. 5, 3. — Vgl. घ्रवलुञ्चन.

— घ्रा *ausraufen, rupfen an*: कर्षो केशाश्च Suçr. 1, 118, 20. — Vgl. घ्रालुञ्चन.

— उद् *ausrupfen, berupfen*: उद्घुञ्चितच्छ्र KATHĀS. 62, 71. — Vgl. उद्घुञ्चन.

— वि *ausraufen*: मूर्धज्ञान् BHATT. 18, 38.

लुञ्च (von लुञ्च nom. ag.: घ्र^o vielleicht der Einen nicht rupft und zupft BHAR. NĀṬṢAÇ. 34, 102. — Vgl. कु^o.)

लुञ्चक (wie eben) 1) nom. ag. *Rauser, Zauser*; s. केश^o. — 2) m. wohl eine best. Körnerfrucht Suçr. 2, 72, 19 (es könnte aber auch घ्रलु^o oder घ्रालु^o gemeint sein).

लुञ्चन (wie eben) n. das *Ausraufen*: केश^o DAÇAK. 68, 13. — Vgl. लुण्ठन 2).

लुञ्ज् लुञ्जयति (हिंसाबलादाननिकेतनेषु, v. l. दान st. घ्रादान) DhĀTUP. 32, 31, v. l. भाषार्थ oder भासाथ) 33, 85.

लुञ्ज् लौठते (गतिकर्मन्) NAIGH. 2, 14. (प्रतिघाते, दीप्तिप्रतिरूप्योः) DhĀTUP. 18, 8. लौठति (विलोडने, विलोडने, विलोडविलोडयोः) 9, 27. लुञ्जयति (विलोडने) 26, 113. *sich wälzen*: लुञ्जन्मशोको भुवि BHATT. 3, 32. 18, 11.

लुञ्ज् wohl fehlerhaft für लुठन् *umherliegend*: सर्वत्रैव लुञ्ज्मूलनिचयैः Inschr. in Journ. of the Am. Or. S. 7, 7, Çl. 20. — caus. लौठयति (भाषार्थ oder भासाथ) DhĀTUP. 33, 81. aor. घ्रलुञ्जत् und घ्रलुञ्जोत् NĀSĀ in Siddh. K. zu P. 7, 4, 3.

1. लुठ् लुठति (संश्लेषणे, लोठे) DhĀTUP. 28, 87. घ्रलुठत् und घ्रलोठिष्ठ P. 1, 3, 91. 1) *sich wälzen*: वं पादत्ते लुठसि Spr. 732. लुठति धरणिशयने Gtr. 5, 5, 7, 34. Verz. d. Oxf. H. 77, a, 13. लुठन् 143, a, 25. KATHĀS. 74, 55. 84, 14. 89, 34. 95, 25. पङ्के लुठत्तमुरगम् RĀGA-TAR. 4, 600. ÇATR. 14, 252. KULL. zu M. 6, 22. घ्रलुठन् RĀGA-TAR. 7, 1067. लुलोठ KATHĀS. 7, 66. 61, 212. 71, 54. Hit. 123, 13. 128, 13. लुठमानः स गच्छति MĀR. P. 12, 6. लुलुठे BHATT. 14, 54. घ्रलोठिष्ठ 15, 56. लुठित *sich wälzend*: चकार मृतमात्मानं निश्रेष्ठं लुठिताङ्गकम् KATHĀS. 58, 29. भूमौ लुठिताः PANĒAT. ed. orn. 57, 20. von einem Pferde AK. 2, 8, 2, 18. n. *das Sichwälzen* (eines Pferdes) H. 1243. *sich wälzen* von einem Flusse: घ्रलकनन्दा लुठती भारतमभि वर्षम् Bhāg. P. 5, 17, 9. *sich hinundherbewegen, rollen*: ङलकणाः Spr. 3490. निरत्तरलुठद्वाप्य 4051. शिरांसि लुठन्ति MAHĀNĀT. 592 (vgl. Verz. d. Oxf. H. 131, a, 21). लुठल्लोलालकैः *flatternd* Spr. 3233. करौ ऽयं करिणानीषां लुठति स्तनमण्डले 3350. मणिलुठति पादेषु 2086. लिङ्गपीठलुठत्तानकुम्भ RĀGA-TAR. 2, 126. लुठद्मन् 5, 92. शाखिनो ऽलुठन् (= पतिताः Comm.) BHATT. 13, 25. घ्रलोठिष्ठ वातेन प्रकीर्षाः स्तवकोच्चयाः 8, 66. शिलाकलापो लुठितः किमञ्जनगिरिरयम् KATHĀS. 102, 77. — 2) *berühren*: मा विषाणायेण लुठति (= संघर्षयति) Bhāg. P. 5, 8, 18. *in Aufregung versetzen*: मर्माणि लुठन्ति (= लोठयन्ति, लोभयन्ति Comm.) कृद्दयं मम 1, 15, 18. — लौठते (गतिकर्मन्) NAIGH. 2, 14. लुठ् लौठति (उपघाते) DhĀTUP. 9, 52. लुठ् लौठते (प्रतिघाते) 18, 9.

— caus. घ्रलुठत् und घ्रलुलोठत् Siddh. K. zu P. 7, 4, 3. Vop. 18, 3. *wälzen, hinundherrollen*: लाङ्कलौठयो चक्रुः (व्यापादितवत्तः ताडितवत्तः Comm.) BHATT. 14, 26.

— desid. *im Begriff sein* —, *nahe daran sein zu rollen*: घ्रश्मा लुलु-

ठिषते P. 3, 1, 7, VArtt. 1, Schol.

— उद् *sich krampfhaft bewegen*: उद्घुठति Spr. 1971.

— निम् *herabrollen*: शैलनिर्लुठिताः शिलाः RĀGA-TAR. 3, 88. — caus. *herabwälzen*: शतमन्यद्भजेन्द्राणां निर्लोठयत् RĀGA-TAR. 1, 303.

— परिनिम् *herabrollen*: तस्य विन्ध्यतटव्यूढवत्तसः परिनिर्लुठत् । स-शब्दमभिषेकाम्बु रेवालोत्त इवावभौ ॥ RĀGA-TAR. 3, 240.

— परि *hinundherrollen*: पर्यलुठन्निस्ततः — नरशिरःकपालानि DAÇAK. 131, 5.

— प्र *sich wälzen*: तितौ तस्य प्रलुठतः PANĒAT. 234, 22. प्रलुठित *sich wälzend* BHATT. 3, 108. प्रलोठित (vgl. P. 1, 2, 21) *der sich zu wälzen angefangen hat* 7, 104.

— वि 1) *sich wälzen, sich hinundherbewegen, hinundherzucken*: घ्रा-सान्मुञ्चति भूतले विलुठति Siu. D. 37, 4. स्वपीठलुठन्मूर्धन् Inschr. in Journ. of the Am. Or. S. 6, 319, Çl. 26. विलुठतो वक्रिकापास्य Spr. 4139. — 2) *in Bewegung bringen, in Aufregung versetzen*: विलुठितमभीरवा-रनारीभिः Verz. d. Oxf. H. 226, b, No. 333, Çl. 1.

2. लुठ् लोठयति (चौर्ये) Vop. in DhĀTUP. 32, 27. *plündern*: मठिका लो-द्यमाना RĀGA-TAR. 4, 71. — Vgl. लुण्ड् लुण्ड् लुण्ड्.

— निम् *plündern, rauben, stehlen*: निर्लोद्य मठिकाम् KATHĀS. 76, 30. परकाव्येन कवयः परद्रव्येण चेश्वराः । निर्लोठितेन स्वकृतिं पुञ्जत्ययतने तपो ॥ Spr. 4304.

लुठन (von 1. लुठ्) n. *das Sichwälzen* TRĪK. 2, 8, 46. Spr. 4673.

लुठनेश्वरतीर्थ n. N. pr. eines Tirtha, = लुठेश्वर, लुकिश्वर Verz. d. Oxf. H. 67, b, 15.

लुठेश्वर n. = लुठनेश्वरतीर्थ Verz. d. Oxf. H. 67, b, 16.

लुञ्ज् लौठति (विलोडने, मन्ये) DhĀTUP. 9, 27, v. l. लुञ्जति (संश्लेषणे, श्लेषे, संवृतौ) 28, 87, v. l. — Vgl. लुञ्ज् und 2. लुञ्ज्.

— caus. लोडयति *rühren, aufrühren, in Bewegung —, in Unruhe versetzen*: सारमुद्धर्तुमेते कलशिमुद्घिगुर्वी वल्लवा लोडयन्ति Çiç. 11, 8. मृग-यूथलोडिता (सरित्) R. 2, 93, 18 (104, 19 GORR.). वातलोडिता जलराशयः 5, 74, 31. लोड्यमानं पाण्डवानां महार्णवम् MBh. 9, 700. घनीकं लोडयन् 7, 1804. 3367. 6, 3197. 8, 2389. तद्वन् — लोडयामास इष्यतः सूदपन्विधि-धान्मृगान् 1, 2833. 2838. R. 5, 60, 7.

— घ्रा caus. *rühren, umherbewegen, umrühren, mengen, hineinrühren*: मन्थं वा प्रसव्यमालोड्य ऀÇV. GRH. 3, 10, 11. पिष्टमालोड्य तोयेन Schol. zu KĀR. ÇR. 130, 16. 310, 4. ऀÇV. GRH. 1, 24, 13. ÇĀRĀNG. SĀH. 2, 6, 1. Suçr. 1, 32, 18. 138, 10. 2, 110, 13. 131, 15. विषमालोड्य पास्यामि MBh. 4, 689. R. 2, 48, 24. R. GORR. 2, 43, 30. गजालोडिततोय *umgerührt, auf-gerührt* Suçr. 2, 173, 20. मन्स्यज्ञीविभिर्भालिस्तज्ञलाशयमालोड्य (so die v. l.) PANĒAT. 78, 14. अल्लोडित = मयित Med. t. 142. *in Unordnung bringen, verwirren, in Unruhe versetzen*: अल्लोडितान्घटान् R. 5, 14, 51. व्यूहेष्वल्लोड्यमानेषु पाण्डवानाम् MBh. 7, 5096. मकृती सेनामालोड्य 5823. वनेचरस्य किमिदं कामेनालोड्यते मनः 1, 7921. काकेनालोडितां ताम् (सी-ताम्) R. GORR. 2, 103, 39. *durchwühlen* (ein Buch), *sich vertraut machen mit*: अल्लोड्य सर्वशास्त्राणि पुराणानि PRASĀNGĀBH. 13, a. SARVADARÇANAS. 1, 9. भरतादिमतं सर्वमालोड्यातिप्रयत्नतः Verz. d. Oxf. H. 200, b, No. 476. — Vgl. अल्लोडन.

— व्या caus.: लोडित = मयित H. an. 3, 285. st. व्यालोडयत् ist